

170

20.22 I

ASHA ARCHIVES



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

कृष्ण उद्यायनमलून, सिजल ७३ कीर्ति सेव लुमाखि ॥ धन उपाय जनाय
 यमथुठन, मल्लमृत्तयशयूव ॥ ० ॥ धनमरायान सामासया इष्टविनस्यति ॥
 कृष्णालयावासनयसा राष्ठाशाय ॥ धनगां सर्वकर्मिकमलूनजाजय ॥ ॥
 गृह्यामिखानयाव धनमिखासडाव वसशव ॥ ॥ संकाषयानूगवभयाव ॥
 धनमवावाव जूजनरुय ॥ स्वकृतायूजायाय कृष्णममीकृष्ण सिधयक ॥ मीत ॥
 धनमाजूनगायधनपीछाहा ॥ धनमलूजूनजपुपुनय ॥ मिक्वकमलूध ॥ ॥
 कावरुगिया प्रविष कवजयास एकाधकन ममगच्छायक जूजलरुयाव ॥ ॥
 ॐ सिद्धिगुम्भाहा ॥ ॐ त्रिपुलाहा ॥ ३ ॥ हिन्दुय ॥ ॥ ॐ रुललरुलन आवमि अमकधलन रु लधलन
 वाया ॥ अथ उजययय धनक वरा ॥

नयधवसवीरभवूनमखद ॥ ॥ उवीयामिखा काकसावक नागवर्म धन
 यितावदिवाव ॥ काखया उत्रिया दाकन वावाव मगच्छायक जूजनरुय ॥ धमा
 रुनीनगद धनगवीरभवूनमखद ॥ ॥ संकाखया मिखास एकाधधकाव
 यय धनकावायससय ॥ धनकाधूथसथद धमकाखजयजीव ॥ ॐ ॥
 नागयाकवणस खयमूगवदधकाव रुमीसथय ॥ धवायाव गुजसयव ध
 गुजधूथसगसी सययादधानडाव ॥ ० ॥ हाक खिटरि कवणसोस खान
 यापूइधकावयथ धखानकावकाव धयापूनस्य नूडकशय ॥ ॐ ॥

१०० ॥ अङ्गुलीययाति ॥ हिमवाजयाति ॥ मय्यामाग्नेय ॥ ॥ ८ मयस्ययाति ॥ बाहुवृष्टे ध्वज
 सूर्ययाकयाय रुस्मयौके मङ्गलान् ॥ ध्वजायधिनय चङ्किता याद्वसुनयमग
 व ॥ द्विवरुडानयाय ॥ ध्वयागुण रायसहाकक ॥ मिखातिनक ॥ — ॐ — ॥
 १०१ नमावडासववीयवडा ॥ स्वाहा ॥ यदिवकाकेन वडीकला दणवाति कार्या
 लायय ॥ ससवसुनागयायमनु ॥ ॥ ॐ विनमविष्क डिक्क व ३ द्वालामुखि
 ना ३ द्वा २ द्वा २ द्वा २ ॥ धमकुण ॥ ध्वजवयूजायाय ॥ अथविधिथीसामेयीदयके ॥
 धनयागयाय ॥ ॐ विष्क डिक्क स्वाहा ॥ इत्यय ॥ ॐ द्वालामुखीस्वाहा ॥ निवनि

* * * * *

१०२ ॥ अङ्गुलीययाति ॥ हिमवाजयाति ॥ मय्यामाग्नेय ॥ ॥ ८ मयस्ययाति ॥ बाहुवृष्टे ध्वज
 सूर्ययाकयाय रुस्मयौके मङ्गलान् ॥ ध्वजायधिनय चङ्किता याद्वसुनयमग
 व ॥ द्विवरुडानयाय ॥ ध्वयागुण रायसहाकक ॥ मिखातिनक ॥ — ॐ — ॥
 १०३ नमावडासववीयवडा ॥ स्वाहा ॥ यदिवकाकेन वडीकला दणवाति कार्या
 लायय ॥ ससवसुनागयायमनु ॥ ॥ ॐ विनमविष्क डिक्क व ३ द्वालामुखि
 ना ३ द्वा २ द्वा २ द्वा २ ॥ धमकुण ॥ ध्वजवयूजायाय ॥ अथविधिथीसामेयीदयके ॥
 धनयागयाय ॥ ॐ विष्क डिक्क स्वाहा ॥ इत्यय ॥ ॐ द्वालामुखीस्वाहा ॥ निवनि

2022

ASHA A.

[illegible]

शुद्धमपगस्योवात ॥
 श्वालेवककि उम एमक
 सर्वदका ॥ (मन्त्राव नमः)



॥ ॐ नमः शिवाय ॥



योगवलनव लुडायण सुवास्यक
 नसमस्य गायकः आकर्षणमनु

मन्त्राव नमः शिवाय ॥
 शुद्धमपगस्योवात ॥
 श्वालेवककि उम एमक



शुद्धमपगस्योवात ॥
 सधामायः कृते इ सगहनस
 यवस्यशयव ॥





कृष्णार्जुन



कौशलमनावनिखिबावशकर्म॥
प्रययातिनलिखित्वा. उड्डोक्तनक



१६ गंगा यन्मनसुर्ह्यगुवासी स
नावसथयूकापूनाय मूखवन्ध
मायकान् ॥ नमिस्यथुदावतमयपूजा
नमो १ यद्वानेन ॥ २



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

मन्त्रविद्यायां सत्त्वाभावात् सत्त्वाभावात्



केशमन्त्रावर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥
 शारदाशिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥

शिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥
 शारदाशिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥



शिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥
 शारदाशिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥

मन्त्रविद्यायां सत्त्वाभावात् सत्त्वाभावात्



शिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥
 शारदाशिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥



शिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥
 शारदाशिववदवर्तवत्तुष्ट्यालिखितम् ॥



ॐ नमः (गमनाय नवन लुजाय नुसय)
 ये काखाय गमनाया युक्षनावा ॥
 वजनवलिकवनन विधि ॥ ७८ ॥



रकाचिसयावस गीखलुन अरुदन
 लिखित्वा इयया सिखा १०० क स नाव
 नैकायय लुडकानवथ ॥ दिनयति
 यजाय वधनमा दया य कर्म ॥



रमिसानमि मिजनमिसाथवन क
 गया ॥ ७९ ॥ लभनाय लुजाय नुस
 ये काखाय द्वाय विधि ॥



ॐ लभनाय व क नाम व लुडकानुसति
 खित्वा लुडकानुसय इयया सिखा १००
 या क स विद्या शया ॥ रुथेव श्रित्वा
 दवति दवथा न का ॥

रहीक्रम गवायनव तुङ्गपुनिलिखि
 नैकला गनयूमनय ग्यराग्ययते
 यक ॥



रहीक्रम गवायनव तुङ्गपुनिलिखि
 नैकला गनयूमनय ग्यराग्ययते
 यक ॥



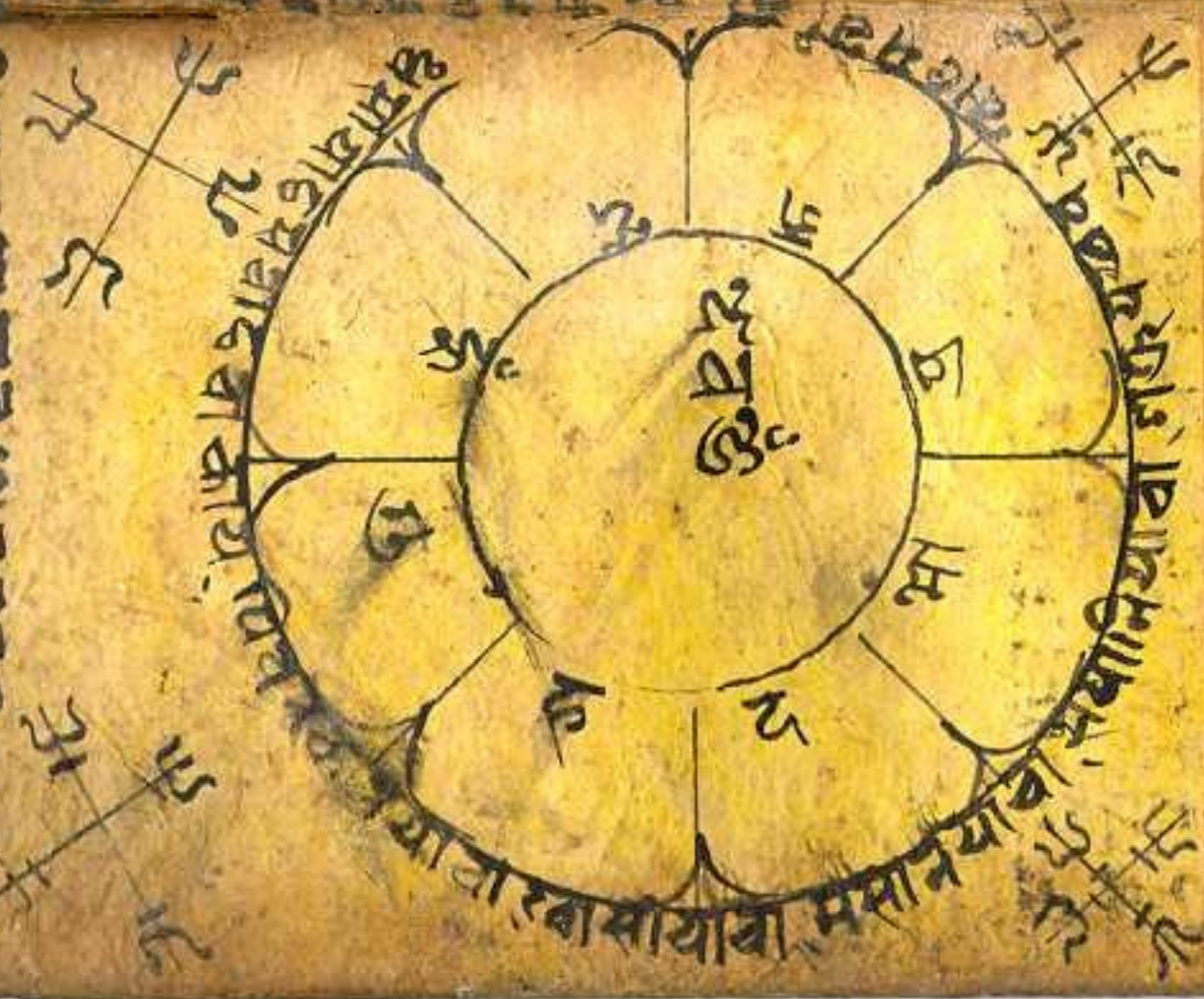
रडयुति नमः तुङ्गपुनिलिखि
 गुरुया मृगनकाकामुलि कायना
 ये बाहुकायुस्य वचस्य भवया
 ययस्य धर्म ॥ ० ॥



गवायनव क्रीक्रम तुङ्गपुनिलिखि
 कायास्य तुङ्गपुनिलिखि
 नैकला गनयूमनय ग्यराग्ययते
 यक ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

